सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या– 764
04/10/2018

राजभवन में बिहार के विश्वविद्यालयों में पदस्थापित विभिन्न विषयों के चयनित नवनियुक्त सहायक प्राध्यापकों की कार्यशालाएँ आयोजित होंगी

पटना, 04 अक्टूबर 2018

महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन ने राज्य के विश्वविद्यालयों में नवाचारीय प्रयोगों को कार्यान्वित करने का निदेश दिया है। राज्यपाल ने अपने प्रधान सचिव को देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के 'बेस्ट प्रैक्टिसेज' की जानकारी लेकर उन्हें बिहार के विश्वविद्यालयों में भी कार्यान्वित करने को कहा है। इस क्रम में राज्यपाल–सह–कुलाधिपति के निदेशालोक में, राज्यपाल सचिवालय द्वारा बिहार के विश्वविद्यालयों में पथस्थापित नवनियुक्त 'असिस्टेंट प्रोफेसरों' के चयनित समूहों के लिए चार कार्यशालाएँ विभिन्न चार तिथियों को राजभवन में आयोजित की गई हैं। भौतिकी एवं रसायन विभाग के प्राध्यापकों की कार्यशाला आज सम्पन्न हुई, जबकि अर्थशास्त्र व अंग्रेजी विषय के प्राध्यापकों की कार्यशाला आगामी 11 अक्टूबर, भूगोल और गणित विषय के प्राध्यापकों की 25 अक्टूबर तथा मनोविज्ञान एवं दर्शनशास्त्र विभाग के सहायक प्राध्यापकों की कार्यशाला आगामी 01 नवम्बर, 2018 को राजभवन में सम्पन्न होगी।

आज 4 अक्टूबर को आयोजित नवनियुक्त सहायक प्राध्यापकों की कार्यशाला को संबोधित करते हुए राज्यपाल के प्रधान श्री विवेक कुमार सिंह ने कहा कि बिहार राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों में पदस्थापित नये प्राध्यापकों को अपने तात्कालिक अनुभवों और 'आइडियाज' को 5 दिनों के भीतर ''ss.gs.bih@nic.in'' के ई–मेल पते पर लिखकर भेजना है। इसके लिए निर्धारित प्रत्येक विषय में नवनियुक्त तीन –तीन प्राध्यापकों की समिति बना दी गई है। एक समिति पाठ्यक्रम के आधुनिकीकरण पर, दूसरी समिति प्रयोगशाला में उपकरणों एवं संसाधनों की न्यूनतम जरूरतों पर तथा तीसरी समिति पुस्तकालय के सुसंचालन पर अपने सुझाव राजभवन को भेजेगी। चौथी समिति कक्षाओं में छात्र–उपस्थिति बढ़ाने को लेकर सुझाव देगी, जबकि पाँचवीं समिति शोध–कार्यों में गुणवत्ता विकसित करने को लेकर आवश्यक सुझाव उपलब्ध करायेगी। एक अन्य समिति यू॰जी॰सी॰ को समर्पित होनेवाले विभिन्न परियोजनाओं के प्रस्तावों में गुणवत्ता–विकास तथा यू॰जी॰सी॰ द्वारा समय–समय पर जारी निदेशों/परिनियमों आदि के समुचित संग्रहण एवं कार्यान्वयन हेतु आवश्यक व्यवस्था–बहाली के विन्दु पर सुझाव देगी। इसी तरह, इन युवा प्राध्यापकों की एक अन्य समिति प्रश्न–पत्रों के 'मोडरेशन' पर भी आवश्यक सुझाव देगी। प्रधान सचिव ने कहा कि विश्वविद्यालयों में आधारभूत–संरचना–विकास हेतु आवश्यक सुझाव प्रेषित करने के लिए भी एक समिति गठित होगी।

आज की कार्यशाला में सहायक प्राध्यापकों ने देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में अपने अध्ययन–काल के अनुभवों के साथ–साथ, बिहार के विश्वविद्यालयों में बाहर के विश्वविद्यालयों की 'बेस्ट प्रैक्टिसेज' के कार्यान्वयन के विन्दु पर अपने विचार साझा किए। भौतिकी एवं रसायन शास्त्र के इन प्राध्यापकों ने कार्यशाला में बताया कि राज्य के विद्यार्थियों में आज भी अध्ययन के प्रति गहरा लगाव है। शैक्षणिक वातावरण विकसित कर हम उच्च शिक्षा के सुधार–प्रयासों को तेज कर सकते हैं।

कार्यशाला में राज्यपाल सचिवालय के अपर सचिव श्री विजय कुमार, शिक्षा विभाग के विशेष सचिव श्री सतीशचन्द्र झा एवं राज्यपाल सचिवालय के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

....